Class - 7
Sub - H. Hindi
Ch-1 (नदी)

- शब्दार्थ लिखकर याद करो।
- कवि-परिचय लिखकर याद करो।

मौखिक

क) नदी हँस-हँसकर क्या बतलाती है?
→ नदी हँस-हँसकर हमें यह बताती है कि जीवन एक संघर्ष है। जिस प्रकार नदी तट-बंधों से टकराती हुई निरंतर आगे बढ़ती जाती है उसी प्रकार हमें भी जीवन के संघर्षों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

ख) कवि नदी को विश्राम करने के लिए क्यों कह रहा है?
→ कवि नदी को विश्राम करने के लिए इसलिए कह रहा है क्योंकि वह निरंतर बहती रहती है, कभी भी रूकती नहीं है।

ग) नदी गाँव और शहर दोनों को प्यारी क्यों है?
→ जिस प्रकार माँ अपना दूध पिलाकर बच्चों का पालन-पोषण करती है ठीक उसी प्रकार नदी भी अपने जल द्वारा गाँव और शहर में रहने वाले लोगों का पालन-पोषण करती है, इसलिए नदी गाँव और शहर दोनों को प्यारी है।

घ) नदी के छौने किन्हें कहा गया है?
→ नदी पर जो बाँध बनाए जाते हैं उन्हें नदी के छौने कहा गया है।

लिखित

क) नदी में उठती लहरें किसका प्रतीक हैं?
→ नदी में उठती लहरें संघर्ष का प्रतीक हैं। जिस

प्रकार लहरें तटबंधों से संघर्ष करती हैं और आगे बढ़ती हैं उसी प्रकार हमें भी जीवन की कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि साहस के साथ उनका सामना करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

ख) नदी को पर्वत से भी महान क्यों कहा गया है?
→ नदियाँ फसलों को सींचती हैं, प्राणियों को जीवनदान देती हैं। नदियों पर ही नांगल, भाखड़ा और रिहन्द जैसे बाँध बने हैं जिनसे बिजली बनती है और अन्य कार्य भी होते हैं जो पर्वत नहीं कर सकते हैं इसलिए नदी को पर्वत से भी महान कहा गया है।

ग) नदी बिजली बनकर रोशनी कैसे बाँटती है?
→ नदियों पर बड़े-बड़े बाँध बनाकर यंत्र द्वारा बिजली उत्पन्न की जाती है और यही बिजली सबके घरों तक पहुँचाई जाती है। इस प्रकार नदी बिजली बनकर रोशनी बाँटती है।

घ) देशों की उन्नति और अवनति नदियों पर कैसे निर्भर है?
→ देशों की उन्नति और अवनति नदियों पर निर्भर करती है। जिस देश में नदियाँ हैं वहाँ की प्रकृति हमेशा मुस्कुराती है। सिंचाई से फसलें अच्छी होती है और जहाँ नदी नहीं होती वह देश रेगिस्तान बन जाता है और अवनति की ओर जाता है।

Q. आशय स्पष्ट कीजिए -

क) तेरी लहरों में अंकित है
संस्कृतियों का उत्थान-पतन

classmate
Date
Page

→ इन पंक्तियों का आशय यह है कि नदी की लहरों में अलग - अलग संस्कृतियों के उतार-चढ़ाव का वर्णन मिलता है। इन नदियों के सहारे जहाँ कई संस्कृतियों का विकास हुआ है वहीं ये नदियाँ कई संस्कृतियों के पतन की कहानी भी कहती हैं।

ख) जो लक्ष्य खोजने निकली थी
वह लक्ष्य स्वयं हो जाती हो।

→ इन पंक्तियों का यह आशय है कि नदी जिस लक्ष्य को खोजने निकलती है उस लक्ष्य को प्राप्त करने पर, उसमें समाकर वह स्वयं दूसरी नदियों के लिए लक्ष्य बन जाती है अर्थात् जब नदी किसी समुद्र में मिल जाती है तो उसका अपना अस्तित्व नहीं रहता।

Q. पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सैलाब रूप - - - - ... हो जाती हो।

उत्तर क) नदी के सैलाब रूप धारण करने पर पुल, सड़क, रेल बह जाते हैं और गाँव - शहर थर - थर काँपते हैं।

ख) अंत में नदी सागर में मिल जाती है।

ग) नदी जब पर्वतों से निकलकर बहती हुई सागर में मिल जाती है तब उसका अपना अस्तित्व नहीं रहता। तब वह स्वयं दूसरी नदियों के लिए लक्ष्य बन जाती है।

सही उत्तर पर ✓ लगाइए— .

• choosing right answer

MobApp

क. जीवन का स्रोत क्या है?

☒ नदी ☑ संघर्ष ☒ नदी का संघर्ष ☒ निरंतर चलना

ख. नदी की लहरों में क्या अंकित है?

☒ देशों की कहानियाँ ☒ फसलों की ज़िंदगी

☑ संस्कृतियों का उत्थान-पतन ☒ स्वतंत्रता-संघर्ष

ग. जिन देशों ने नदी को पाया, वे क्या बन गए?

☑ विकसित और महान ☒ उजड़े रेगिस्तान

☒ शांतिदूत ☒ क्रांति के जनक

घ. नदी किसमें धड़कन भरती है?

☒ घरों में ☑ कल-कारखानों में

☒ खेत-खलिहानों में ☒ बाग-बगीचों में

सोचकर लिखिए—

कविता में वर्णित नदी के जीवन-संघर्ष से हम क्या सीख सकते हैं?

Values • Taking challanges • spontaneity • appreciating nature

भाषा से...

1. पाँचों वर्गों में अनुस्वार अ-रहित पंचम वर्ण का स्थान लेता है। अनुस्वार (ं) का लेखन उसके बोलने के स्थान से पहले वर्ण पर किया जाता है। जैसे—'कंठ' को 'कण्ठ' भी लिख सकते हैं क्योंकि 'ठ' टवर्ग का है और उसका पंचम अक्षर 'ण' है।

दिए गए शब्दों को पंचम अक्षर का प्रयोग करके लिखिए—

• nasal sounds

निरंतर —	निरन्तर	अंकित —	
क्रांति —		ज़िंदगी —	
स्वतंत्रता —		रिहंद —	

2. **दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए—**

• synonyms

नदी —	सरिता तटिनी सरिता	रोशनी —	प्रकाश ज्योति उजाला
जीवन —	प्राण जान जिन्दगी	सागर —	समुद्र सिंधु रत्नाकर
पर्वत —	पहाड़ नग गिरि	दूध —	दुग्ध क्षीर पयस

3. **इन शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए—**

• वर्ण-विच्छेद

संघर्ष — "स्" + "अं" + "घ्" + "अ" + "र्" + "ष्" + "अ"

लक्ष्य — ... + ... + ... + ... + ... + ...

उत्थान — .... + ... + ... + ... + ... + ...

क्रांति — ... + ... + ... + ... + ... + ...

संस्कृति — ... + ... + ... + ... + ... + ... + ...

4. हिंदी भाषा में अनेक भाषाओं के शब्दों का मिश्रण है। जैसे— कुछ शब्द संस्कृत भाषा से आए हैं तो कुछ संस्कृत से बिगड़कर बने हैं। राजस्थानी, ब्रज आदि प्रादेशिक भाषाओं के शब्द और फ़ारसी, अरबी, अंग्रेज़ी, फ्रांसीसी आदि विदेशी भाषाओं के शब्दों ने भी समय-समय पर हिंदी को समृद्ध किया है। इस प्रकार प्रयोग के आधार पर शब्दों के चार भेद किए गए हैं—

• kinds of words

क. तत्सम — संस्कृत के शब्द। जैसे—जल, अग्नि, कूप आदि।

ख. तद्भव — संस्कृत से बिगड़कर बने हुए शब्द। जैसे—आग, दाँत, घर आदि।

ग. विदेशी — अरबी, फ़ारसी, अंग्रेज़ी आदि भाषाओं के शब्द। इन्हें 'आगत शब्द' भी कहा जाता है। जैसे—औरत, चश्मा, अपील आदि।

घ. देशज — अपने देश के ही विभिन्न प्रांतों की बोलियों और भाषाओं से आए शब्द। जैसे—जूता, पगड़ी, लोटा, गाड़ी आदि।

i. **दिए गए शब्दों में से तत्सम और तद्भव शब्द छाँटकर लिखिए—**

गाँव, स्रोत, विश्राम, उत्थान, लक्ष्य, दूध, पर्वत, रात, जीवन, प्यार, ऊँचा

तत्सम — .....

तद्भव — .....

ii. **पाँच विदेशी और पाँच देशज शब्द सोचकर लिखिए—**

विदेशी — "कंप्यूटर" ....

देशज — "फुनगी" ....

5. **कविता में आए तुकांत शब्द चुनकर लिखिए—**

• rhyming words

बहती-रहती, ...

.....

6. आप जानते हैं कि किसी शब्द के पहले लगनेवाले शब्दांश **उपसर्ग** और अंत में लगनेवाले शब्दांश **प्रत्यय** होते हैं। कुछ शब्दों के निर्माण में **उपसर्ग** और **प्रत्यय** दोनों का प्रयोग किया जाता है।

• prefix/suffix

निम्नलिखित शब्दों में आए उपसर्ग/प्रत्यय और मूलशब्द अलग कीजिए—

कमज़ोर —	कम + ज़ोर		अंकित —	अंक + इत
संस्कृति —	सम् + कृति		व्यापकता —	व्यापक + ता
उत्थान —	उत् + थान		महानता —	महान + ता

सुझावित रचनात्मक गतिविधियाँ

अपनी रुचि के अनुसार कोई एक गतिविधि चुनकर कीजिए—

• advertisement
• PPT
• mapwork
• personification
• net surfing

Multiple Intelligences
- interpersonal
- linguistic
- musical

1. नदियाँ प्रदूषित होती जा रही हैं। इन्हें प्रदूषण से बचाने के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु एक सचित्र विज्ञापन तैयार करें।
2. यदि नदियाँ न होतीं तो क्या होता— कक्षा में वार्ता आयोजित कीजिए।
3. नदियों से जुड़े कुछ त्योहार/मेलों के बारे में निम्नलिखित शीर्षकों के आधार पर पावर पॉइंट प्रेज़ेंटेशन (PPT) तैयार कीजिए—

   i. कौन-कौन से त्योहार/मेले हैं   ii. किस देश/शहर में मनाए जाते हैं

   iii. कब मनाते हैं और क्यों   iv. किस नदी से जुड़े हैं

   v. ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक महत्त्व

   यह गतिविधि कक्षा को समूहों में बाँटकर भी करवा सकते हैं।
4. इस पाठ में कुछ बाँधों के नाम आए हैं। भारत की प्रमुख नदियों और उनपर बने बाँधों के नाम मानचित्र पर दरशाइए।

पाठ से आगे

1. 'नदी' कविता में नदी को मनुष्य की तरह संघर्ष करते, प्रेम करते, क्रोध करते हुए चित्रित किया गया है। जब प्रकृति को इस प्रकार मानव-रूप में देखते हैं तो वहाँ **मानवीकरण अलंकार** होता है। कविताओं को पढ़ते समय ऐसे प्रयोग कॉपी में लिखिए।
2. 'नदी' पर लिखी गई अन्य कविताएँ एकत्रित कर कक्षा में सुनाइए। *www.kavitakosh.org*